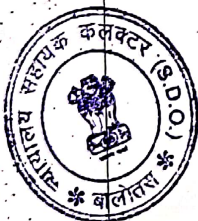


मुकदमा संख्या 29/2023
अनवान मानाराम बनाम जगराम वगैरा

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील मे जारी हुए
20-11-24	<p>पत्रावली पेश हुई। वादीगण अधिवक्ता उपस्थित। प्रतिवादी संख्या 01 के अधिवक्ता उपस्थित। शेष प्रतिवादी एकतरफा। प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 11 सी.पी.सी. व धारा 207 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम पर बहस सुनी गई। दौराने बहस वादीगण अधिवक्ता ने निवेदन किया कि ग्राम खेड़ तहसील पचपदरा की खसरा संख्या 1216/996 क्षेत्रफल 0.9955 हैक्टर भूमि अवस्थित है। वादग्रस्त भूमि वागाराम भील वगैरा निवासी सांभरा द्वारा प्रतिवादी संख्या 02 खीमाराम पुत्र उमाराम भील निवासी मूठली को दिनांक 03.12.2015 को बेचान की गई थी तथा खीमाराम द्वारा उक्त भूमि का मुख्तयारखास वालाराम पुत्र वागाराम को नियुक्त किया गया तथा दिनांक 03.9.2021 को उक्त भूमि की कृषि उपयोगिता समाप्त होकर औधोगिक प्रयोजनार्थ किस्म कायम हुई। खीमाराम द्वारा वालाराम को मुख्तयारनामा नियुक्त किया गया और वालाराम के द्वारा उक्त औधोगिक किस्म की भूमि का बेचान का सौदा प्रतिवादी संख्या 01 जगाराम से 10,75,000/- रुपये रोकड़ प्राप्त कर तय किया गया। उक्त सौदा तय करने के बाद रकम प्राप्त कर इसी औधोगिक भूमि को खीमाराम द्वारा जानबूझकर कृषि के रूप में दर्शाते हुए उक्त भूमि की रजिस्ट्री वादीगण के हक में खीमाराम ने षडयंत्र रचकर तकमील करवा दी गई। जबकि विवादित आराजी दिनांक 03.9.2021 से ही औधोगिक के रूप में दर्ज किए जाने के आदेश खीमाराम स्वयं द्वारा प्राप्त किया जा चुका है। इस कारण वादग्रस्त आराजी की किस्म ही कृषि भूमि नहीं होने के बावजूद उक्त तथ्यों को छुपाते हुए विधि विरुद्ध वाद पेश किया गया है, जो कि श्री न्यायालय में चल नहीं सकता है। अतं मे निवेदन किया कि प्रतिवादी का</p>	



सहायक कलेक्टर
(S.D.O.) बालोतरा

न्यायालय के क्षेत्राधिकार में नहीं होने के कारण
खारिज किया जावे।

इसके विपरीत वादीगण अधिवक्ता ने दौराने बहस निवेदन किया कि प्रतिवादी का प्रार्थना पत्र गलत तथ्यों के आधार पर लाए जाने के कारण खारिज योग्य है, क्योंकि वादीगण का वाद श्री न्यायालय के क्षेत्राधिकार में होने के कारण ही पेश किया गया है। वादग्रस्त आराजी मौके पर औद्योगिक भूमि के रूप में अवस्थित नहीं है व न ही उसका उपयोग-उपभोग औद्योगिक प्रयोजनार्थ किया जा रहा है। प्रतिवादी द्वारा धोखे से फर्जी एवं कुटर्चित मुख्यारनामा तैयार कर कागजी तौर पर करवाया गया। तथाकथित फर्जी मुख्यारनामा के जरिए प्रतिवादी संख्या 01 के नाम से कागजी तौर पर हस्तान्तरण किया गया, जिसे निरस्त करवाने की कार्यवाही वादी द्वारा सक्षम न्यायालय के समक्ष की जा चुकी है। वादग्रस्त आराजी औद्योगिक रूप में उपयोग उपभोग में नहीं लिए जाने से वादग्रस्त आराजी बाबत तमाम क्षेत्राधिकार श्री न्यायालय को प्राप्त है। प्रतिवादी द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर प्रकरण को लम्बा करने की नियत से गलत प्रार्थना पत्र पेश किया गया है। अतः प्रतिवादी का प्रार्थना पत्र खारिज किया जावे।

हमने दोनो पक्षो के विद्वान अधिवक्ताओं की बहस सुनी और बहस पर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रेकॉर्ड, दस्तावेजात का गम्भीरतापूर्वक अवलोकन किया। जिसमें पाया कि वादीगण की ओर से वाद-पत्र अन्तर्गत धारा 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत पेश कर प्रतिवादी के विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा जारी करवाने का अनुतोष चाहा गया। वादग्रस्त भूमि की जमाबंदी संवत् 2079-2082 हल्का पटवारी द्वारा जारी नकल प्रतिलिपि दिनांक 09.1.2024 मुताबिक ग्राम कलावा तहसील पंचपदरा की खसरा संख्या 1216/946 क्षेत्रफल 0.9955 हैक्टर किस्म औद्योगिक प्रयोजनार्थ दर्ज है। इससे स्पष्ट है कि वादग्रस्त भूमि कृषि प्रयोजनार्थ नहीं है। वादग्रस्त भूमि की किस्म औद्योगिक

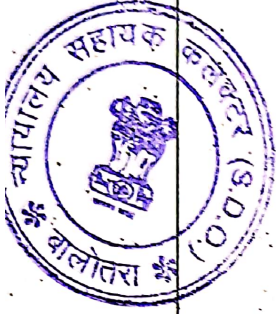


सहायक कलेक्टर
(S.D.O.) अलोतरा

चलने योग्य नहीं है। क्योंकि हस्तगत प्रकरण विधि द्वारा वर्जित होने के कारण न्यायालय हाजा सुनवाई करने में सक्षम नहीं है। उपरोक्त विवेचन के उपरांत वादीगण का वाद विधि द्वारा वर्जित होने के कारण खारिज योग्य है।

लिहाजा प्रतिवादी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर वादीगण का वाद विधि द्वारा वर्जित होने के कारण खारिज किया जाता है। तदनुसार डिक्री पर्चा जारी हों।

पत्रावली फैसल सुमार होकर दाखिल दफतर हो।



सहायक कलक्टर
(S.D.O.) बालेश्वर

मूलवाद में डिक्री पर्चा
(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर बालोतरा

पीठासीन अधिकारी :- अशोक कुमार, आर.ए.एस.

राजस्व वाद संख्या :- 29/2023

जी.सी.एम.एस. नम्बर :- 2023/86

वादीगण	बनाम	प्रतिवादीगण
1.मानाराम पुत्र जैसाराम		1.जगराम पुत्र तुलसाराम जाति जाट
2.गीतादेवी पत्नी मानाराम		निवासी खारापार तहसील गिडा
जाति भील निवासी बस्ती सिलोर		2.खीमाराम पुत्र उमाराम जाति भील
तहसील समदडी		निवासी मूठली तहसील सिवाना
		3.राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार पचपदरा
		4.उप पंजीयन अधिकारी कार्यालय जसोल

राजस्व वाद बाबत:-188 आर.टी.एक्ट

मुकदमा नम्बर 29/2023

निर्णय दिनांक :-20.11.2024

वादीगण की ओर से श्री कपिल श्रीमाली अधिवक्ता की उपस्थिति व प्रतिवादी संख्या 01 की ओर से श्री उम्मेदसिंह चंपावत अधिवक्ता की उपस्थिति व प्रतिवादी संख्या 2 से 4 एकतरफा इस वाद में आज तारीख 20.11.2024 को श्री विवेक व्यास (नाम पीठासीन अधिकारी) उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर बालोतरा के समक्ष अन्तिम निपटारे के लिए पेश होने पर निर्णय किया जाता है और डिक्री दी जाती है कि:-वादीगण का वाद विधि द्वारा वर्जित होने के कारण खारिज किया जाता है। खर्चा पक्षकारान अपना-अपना वहन करेंगे।

यह आज तारीख 20/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।



(अशोक कुमार)
सहायक कलक्टर
(एस.डी.ओ.) बालोतरा

वाद के खर्चे

वादीगण		प्रतिवादीगण	
	रूपया		रूपया
1. वाद पत्र के लिए स्टाम्प		1.शक्ति पत्र के लिए स्टाम्प	
2.शक्ति पत्र के लिए स्टाम्प		2.अर्जी के लिए स्टाम्प	
3.प्रदर्शों के लिए स्टाम्प		3.प्लीडर की फीस	
4.....रूपयों पर प्लीडर की फीस		4.साक्षियों के लिए निर्वाह व्यय	
5.साक्षियों के लिए निर्वाह-व्यय		5.आदेशिका की तामील	
6.कमिश्नर की फीस		6.कमिश्नर की फीस	
7.आदेशिका की तामील			
जोड़	-	जोड़	-

सहायक कलक्टर
(एस.डी.ओ.) बालोतरा